RPF रेल रक्षक भर्ती

History Class-30

पाल वंश (बंगाल का पालवंश)

Imp.

⇒ संस्थापक - (founder) - गोपाल

⇒ राजधानी - मुंगेर

⇒ पाल शासक बौद्ध धर्म के अनुयायी थे।

⇒ गोपाल ओदन्तपुरी विश्वविद्यालय की स्थापना

Imp.

धर्मपाल - गोपाल का पुत्र

Imp.

- विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना
- पाल वंश का सबसे महान शासक
- त्रिपक्षीय संघर्ष कन्नौज के लिए पाल वंश, गुर्जर प्रतिहार वंश एवं राष्ट्रकूट वंश के बीच हुआ।

⇒ इसने पालवंश की ओर से सर्वप्रथम धर्मपाल शामिल हुआ।

⇒ गुजराती कवि सोड्ढल ने धर्मपाल को उत्तरापथ स्वामी की उपाधि से सम्बोधित किया था।

कन्नौज

अधिकार

↳ हर्षवर्धन ⇒ की मृत्यु के पश्चात् कन्नौज के लिए त्रिपक्षीय संघर्ष

→ 200 वर्ष

पालवंश, राष्ट्रकूट वंश, गुर्जर प्रतिहार वंश। → कन्नौज पर अधिकार → गुर्जर प्रतिहार

imp. ⇒ सोमपुर महाविहार का निर्माण – धर्मपाल

देवपाल धर्मपाल का पुत्र

- → पालवंश का सबसे प्रतापी राजा था।
- → उपाधि – परमसौगात
- → निर्माण – ओदन्तपुरी (बिहार) के प्रसिद्ध बौद्धमठ का निर्माण देवपाल ने करवाया था।

⇒ अन्तिम शासक – गोविंदपाल

⇒ Note :– अरब यात्री सुलेमान देवपाल के शासनकाल में भारत आया

गोपाल
⇓
धर्मपाल
⇓
देवपाल ⇒ अन्तिम शासक ⇒ गोविंदपाल

बंगाल का सेन वंश

⇒ संस्थापक → सामन्त सेन ने राढ़ में की थी

⇒ राजधानी → नदिया (लखनौती) थी।

⇒ प्रमुख शासक → विजयसेन, बल्लाल सेन एवं लक्ष्मण सेन

विजय सेन → सेन वंश का प्रथम स्वतंत्र शासक
↳ शैवधर्म का अनुयायी था।

उपाधि → परमेश्वर, परमभट्टारक, महाराजाधिराज
Titles विजयसेन ने विजयपुरी व विक्रमपुर की स्थापना की थी।

बल्लालसेन Ballasena

उपाधि – गौडेश्वर, निः शंक शंकर / Title – Godeshwar Nishshank Shankar

दानसागर व अद्भुत सागर नामक ग्रंथ की रचना बल्लालसेन ने की

ग्रंथ
दानसागर
अद्भुत सागर

↳ को पूरा करने का श्रेय लक्ष्मणसेन को जाता है।

लक्ष्मण सेन – सेन वंश का अंतिम प्रतापी शासक जिसने सम्पूर्ण बंगाल पर अधिकार स्थापित किया।
Imp.
The last glorious ruler of the Sen dynasty who established authority over the whole of Bengal.

↳ लक्ष्मण सेन ने गहड़वाल शासक जयचंद को पराजित करके परमभागवत् की उपाधि धारण की
Lakshman Sen defeated the Gahadavala ruler Jaichand and assumed the tittle of Parambhagavat.

लक्ष्मण सेन की राज्यसभा में रहते थे-

Those who were in the Court of Lakshman Sen were-

(1) गीत गोविन्द के लेखक जयदेव / Jaydev, author of Geeta Govind

(2) पवनदूत के लेखक धोयी / Dhoyi, author of Pavandoot

(3) ब्राह्मण सर्वस्व के लेखक हलायुद्ध / Halayuddha, author of Brahman Sarvasva

⇒ लक्ष्मण सेन बंगाल का अंतिम हिन्दू शासक था।

Imp. Lakshman Sen was the last Hindu ruler of Bengal

⇒ सेन राजवंश प्रथम राजवंश था, जिसने अपने अभिलेख सर्वप्रथम हिन्दी में उत्कीर्ण करवाये थे।

Lakshman Sen was the last Hindu ruler of Bengal

जयदेव → गीत गोविन्द

धोयी → पवनदूत

हलायुद्ध → ब्राह्मण सर्वस्व

मध्य कालीन भारत का इतिहास

712 AD - 1526 AD

⇓

दिल्ली सल्तनत [1206 - 1526]

- G ⇒ गुलाम वंश (1206-1290)
- K ⇒ खिलजी वंश (1290 - 1320)
- T ⇒ तुगलक वंश (1320 - 1414)
- S ⇒ सैय्यद " (1414 - 1451)
- L ⇒ लोदी वंश (1451 - 1526)

1526 AD - 1857 AD

→ मुगलों → मुगल वंश की स्थापना

→ 1526 - 1857

⇓

बाबर

भारत पर अरब आक्रमण

⇒ पहला अरब आक्रमण – 711 : (अबैदुल्लाह) – असफल
First Arab Invasion – 711 : (Abaidullah) – Failed

⇒ दूसरा अरब आक्रमण – 711 : (बुदैल) – असफल
Second Arab Invasion – 711 : (Budail) – Failed

⇒ तीसरा अरब आक्रमण – 712 : (मो. बिन कासिम) – सफल
Third Arab Invasion – 712 : (Md. Bin Qasim) – Successful

प्रथम मुस्लिम अरब आक्रमणकारी
first muslim arab invader

उद्देश्य – ① ⇒ धन लूटना
② → इस्लाम धर्म का प्रचार प्रसार

"अलहजाज का सेनापति" "Commander of Alhajj"

पश्चिम और अफगान — "दाहिर दर्रे से आया"
"Came from the Khyber Pass"

⇒ मो. बिन कासिम के आक्रमण के समय सिंध का राजा "दाहिर" था जिसकी दो पुत्रियां : सूर्यमला व परिमला थी।
Mo. At the time of Bin Qasim's invasion, the king of Sindh was "Dahir" who had two daughters: Suryamala and Parimala.

⇒ पहला आक्रमण – सिंध क्षेत्र (देवल बंदरगाह)
First Invasion – Sindh Region (Dewal Port)

→ फिर नीरम बौद्ध स्थल
again silent Buddhist site

सिंध क्षेत्र

→ सिंध पर जजिया कर लगाया :- (गैर मुस्लिम)
Jizya tax was imposed on Sindh :- (Non-Muslim)

जजिया कर नहीं लगाया।
(ब्राह्मण, विधवा, विकलांग पर नहीं)
(not on brahmin, widow, disabled)